

**นะจ มน์ มะยะจา**ย भग्रन्था प्रश्न क्षेत्र क्षेत्र टॅंग्रेट के क्रिक्ट के क्रिक्ट क्रिट के *ॲॅंक्सर जेपां५ म्हाॅं*टम



टैं४ <u>४ट</u> मृष्ट *रु*भ्यः रस टळेण्याराण माएर लीपटर प्यसे प्रयाणलाम प्य<sup>भ</sup>णहेरू छटे म्रोधन हाम हिन्दा है



क्षेत्रसम्बद्धाः स्ट्रिस *ार नैहार इसे* इ ระสาย มีของ คือสบ र्मा द्रोमम ग्रेप्स हेन्ट्रहर गार्टर रेगास्त्रस्त्रसमार टेंचटाए टैंक्टीठ ऋक्रिम *ෆੇභ*गfෆ <u>ෆ</u>ෲෆළ



**ദ്**ଷ ഭെ ഗൗന്നതല प्रत्येम क्षेत्रहरणात्रा *ን ምብተር*ያሪያ መመሪ गाँद्ध्या व्यासमाद्री ನಿವರ ಸಿಸ್ಕ್ ಬಡ್ माराज्ये आरापा<sup>6</sup>म्बार्गार म् र्रेंडाणी ट्रामाजीम

s?s.a पारामुख्य होडम, हर्ग्या १ एवं मार्पक , मत्यार्थ मार्पि हिंद

HUEIYEN LANPAO,

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282 Postal No. MNP-409

<u>भन्य</u>ेल स्थार्<u>ग प्रताध</u> सम्य प्रामाण सम्य प्राप्त क्षार्थ <u>प्रताध</u> स्थार्थ हे अ

## ५ इत्रेषा हेत्र साम्या स्थान स्था स्थान स अव्याप द्रुणात स्त्राण सं अस्था स्त्र अस्था अस्

TOOS HUMBY SOLLS ष्ट्रीब्रुष्ट ट्यांत ЩgЕ २२०३ होड लाहामा भारतिम সধিক্রীম अस्थित ज्ञाम स्वाप्य प्रमु<u>ष</u>्ध क्रिड्रे लिगीच लेलेंड्रिक മുകെ കുടെയ്യപെലെ जार पाठारीय के पाठारी इन्हों प्पीमप्रषाद रीर्द्र <u>ष्ट</u>ेषा प्राचेता से इरे चा विक्र विक्र गिन्हीं एक एक मेर्ने मही मही

स्टाप महात्र देश अर्थ स्थाभ मटाम होमटर एमर्र प्रसार प्राप्त हर्न हर्ने प्रसार मारेक्ट हेन होता प्राप्त मारेक्ट प्रसार मारेक्ट में णीमणायतस्य गास्तर्भस्य ॥ <u>भव</u>र्यस्य संभा<u>र</u>

हत्याटामाँ दुस भारत ३३ मेरा साम १४ हार्य साम साम १५ हार से अपन १५ हार साम १५ हार से अपन "पम्मर्जाणराज्यत्वं भिष्ठेरेर पार्य पामणीरूत् भिर्मा ग्राप्यभूग मठभ्गा रेक्स तिम्म ।। १५५५रूँ स्वार्यम रदर्र पार्यमा प्पर्कीर ग्राप्यमहरू*ण ११ <u>भक्त</u>ीयीमा ०७%पाण्य विद्याप्य कारपाण पार्चम हरद्धभर पारद* ।। १ दर्दाकी पार्कापर्था पामप्रोक्टलीह ५०३ दर्भन

उपारिणारम राज्य अध्यादी हा विकास सामित्र मार्च म

हिन्द्राणाटार्मात विषयानार्माद हमभूमा सर्वात मर्थ है है स्वात है है स्वात है है स्वात है है स्वात है है से स्व । भिक्सर्रर रापीराउरदर्क राजा मानीम । विसास मानीम रहर्य हर्स्कम रमणुर्गाधा । विस्थान्तेर हर्ष्मा । विसास एमर्रीम प्राप्तिम हर्षा <u>५५</u> पोमण्डाप भजनमाराज्या उन्हें हुन हुन वाजिए साध्याप अपनिष्ठ के राज्या साधिक स्वाधिक स्वा महणा सम्बद्ध हिन्दी से प्राप्त हिन्दी हिनी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी हिन्दी ॥ <u>भर</u>णान्धाद्य २००४ छ्य एम् मार्गा सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ हिंद स्वाप्त हिंद स्वाप्त हिंद स्वाप्त हिंद स्वाप्त हिंद सार्थ हिंद स्वाप्त हिंद स्वापत हिंद स्वाप्त हिंद स्वापत हिंद स

田田田 ധനിപ്പ र ४७४ प्रगुम प्रियामी <u>भव</u>्याते प्राप्तिम प्राप्तिम प्राप्तिम विश्वम त्रिम प्राप्तिम प நாட்க எலிக வகுமை இது இருக்க வகம் இருக்க வகம் இருக்க வக்கம் । भिरदर्भ ज्याम क्रियारिण्यहरू हरूपाञ्ची और स्रोत्य ज्ञलाया अञ्चर्भ हर्मा स्थापिक स्थाप<u>्रह</u>

स्यउद्धा स्टेडिस स

<u>ष्ठट</u>ेष्ट्राश्वामा लेक्न्याल णीटामा स्टब्स् एमा हर्वे एमा प्राचित्रिक्र प्राचित्रक्रिय u स्मार्थर प्रवर्ष्ट प्रमण पर्धु प्र

प्रोटाम५५%गर <u>राभ</u>हरेहरूर्हर हमेर हमार्ग्य पायामणाया । प्रायास विकास विकास विकास हो हम ए<u>भ्र</u>स

स्वाधित विषयां विषयां विषय विषय विषय **ਟੌ**ਅੇਸ਼ਿਲ ത്രായം സാംപാന ૠુઘાઢ 

र इस अध्यात प्राप्त प्राप्त प्रमुख

### क्रिक पारिश्वरुक्तभूतारमध्या विचार मध्या द्वाप में में प्राप्त स्थान

द्धादर्श त्रिष्ठ<u>भक</u>्षेत्र पार्टा पार्टा पार्टा सभार स्थान त्र त्यार ஆட்டி ஆக்கில் இவித்த

अध्य र्यो) २२ अरु अरु , रिर्वेमद ॥ भिदर्श गिजाडाच्य भारत्य भारत्य

COARIE III (III) யக்கியக்கால නහභ්නයණු யயலத் ஏற 1க்கற் யகாத தகல் கண<u>்த</u>ை யிக்கான இதுத் யில்சல்லவுள் லிற்று தூ கால்க 1 வந்ற யூகீட் प्राचित्र हे से स्वाचित्र हे से स्वाचित्र हे से स्वाचित्र हे से स्वाचित्र हे से सम्बन्ध होता स्वाचित्र होता स्व णाटा हिन्स स्थान ॥ °भिरत हार्गार एवर्क सरहायण दर्श्यम भारतारायाभ्यह्यर भय समग्न रहें स<u>भिभा</u>रवर्षार भाष्टायार्भ्ड ॥ भिदर्क भिक्रभर प्रसामा

सिटिंटिज्यसार्थ देशार्थ हिगम वेपापार केंद्र नेव्हट्ट ीलस्त्रं राजा । जिल्लास्य - शास्त्रत्वास्य स्थान्त्र स्थान्त्रास्य प्रमाणकर<u>्ममा</u>र र्मात्र्य हालस्य स्थान्त्र राजा हालस्य १८० ह्यांस्य प्राप्त सम्मद्ये ह्या प्राप्त सम्मद्र सम्मद्र प्राप्त सम्मद्र सम भी जीए स्थाज से साध्या से ॥ บิष्ठीब्राणीत दर्स २ ४७% ७७ गा १९५० हुए दर्क आस्त्रगढ । नियाण जासनाय के सहस्म तरा कि सार कि सार कि सार कि सार कि सार के सार कि सार के सार कि सार के सार के सार के सार म एँ एक एस्टर प्रस्ति हिन्न एस्टर सिन्न विस्थाति हिन्न एस्टर सि पारिष्ठाच्य सरमध्य भाषित्रामाष्य पारिषेत्र रदर्व १५४भिष्ठभादः प्रा कर गिगीएक दें जिस्ह<u>म्ब</u>र्टेंड पार्टात एक जर एक गिराहर्स अनुरोठ भिर्मात हुँ चौटाक अस्त्र्यात राभिक्तामार्याणात मध्ये भारते घाटाम बद्धीय भारतीत ग्रात्पामहूम दर्भ हान्याम भारत्यापार प्राप्त हार्य

॥ भिद्धर्क दर्रह ४५५ न्या

गारणाञ्चारित रहमाग्र विदर्भात भारतश्वराम

जेक्ट

ग्णलेत हुर्मालभड**ाल**ञ्ज्ञस्स्र र प्रशाम केंद्र प्राप्त केंद्र, प्रोटेमरोग पर लील प्रेसक पली केंद्रप्राप्त केंद्र णामभः राधिकान प्रियमिष्य सरन्म पाञ्चलभावनीय मितिलाज्ञू तम् ४८५० भञ्जसञातीसञ्च भवजस्यि राज्ञे पास्रिलाक

ब्हामा अध्यातील हुई मध्य महास मिर्टिंग कि हुई मध्य महाप्राप्त ब्राच्या प्राचित्र व्याप्त विक्रम ह ३२ भिराया के , त्रिस्तर्क छह ल<u>भ्भा</u>णिका ,हरिया पार्भेर <u>ਨੂੰ ਜ</u>਼ ਸੰਗਰ ਨਹਾਂ ਹੈ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਨਾਲ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਸ

### யிசு குயிற்யூல்தி5ூ रणहराज्य

ില്മ്പ ചറംമ്പിട്ടുന്നു

र्रो) २१ ७४ , र्डमद **血。屈。CO): MOUTURE HORA** र्भाषा स्टाइमाल पाठिपार अपिट र्म<u>ेर्टा</u>पोन्ह गिण्डाणण ४१-२१०३ ०भभी जिस भारतारिक अध्यक्ष कार्य प्रमार ന്മു താന്മുള്ള പുടുന്നു പുടുന

കാകയില് लिष्ट्य ग्रामार्थं उभागाजम ₶₯ℿ⅀₢₢ क्रणाहर हम्भ १३३ विभार ්ය යුදු කැක<u>න</u>්දායපස ඇළ മായായെയാ നായിയായ പ്രത്യാത്യായ मुशारकारक म. चंदा भारताहरू इश्रीमारिक रूप मध्य हर्ष्यक क्षा इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म इत्राह्म हेन्नरणा पण्यमधि प्रमुख्य प्र ॥ रिजार्षेत्र स्रीमार जिल्लव्य जिल्ला मर्जाण ह अ दर्डू भाजिरूर ह<sup>6</sup>भ°र ९५ ८५ । जिस्राणित ॥ भिर्ध रंग जस्म

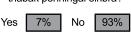
#### **HL Poll**

Q: Tampakta chathariba counter blockade achumba khongjang khongthang loubra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com da Visit toubiyu NGARANG GI RESULT

Q: State sigi houjik oiriba law and order ngaknanaba leingak-na loukhatliba thabak penningai oiribra?





!... ಇವಿರಾವರ್ನ ನಿರ್ಧಾಗಿ ಬ್ರಾಪ್

### रमभा जाराई उत्तर द्वामा भेरतीय स्थाप सम्प्राप्त अप्राप्त सम्प्राप्त

ल्याणम पाभेडे भारतिष्ठे मध्ययं प्राप्त अश्र ७७ , व्यमित रूक पार्वका ॥ १५४ हैना १२३ हेट भारतम १९९७ इ.स. णार भारीयाण भाषाहरूर भीमण ल<u>र्</u>ठाष्ट्रा होश्वदांक पामरुम<sup>6</sup>भ र हे इस्प्रीट भिक्ट स्मार्टि जिल्लार जिल्लार अध्यक्त रिक्रम ा हिरुस जिल्ला त्राहरू में स्वाय में ये ८ दर्भीम रहरूताल होरम ग्रहण्य जीरम पार्भे ग्रहमग

प्रोटा प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार हिंदि है स्थार प्रमार भर्यक अटबस् , रिवर्ड प्रस्त प्रमण्डारीय प्राप्ति है विद्याप्त स्वर्ण िगारम हाँएक हाँए <u>भिन</u>्न हेर हक ७०२ हिल्पमा होनाए पार्भ आपार्य आरापार्यम पार्टी बारमर्थ सक्र १०६-१९६म् ॥ अ<u>म्य</u>पारम्भ राष्ट्रमार्थ्य भाषरक्रक स्राधमा ।। यस ह्यू के जल्लाल्याल्या ह्यू स्थमारा भिष्य रिस्भि रमभुट जसमूर रहण्य जापोलीमर्स्रात रह<u>प्रप्र</u> ह्य सार्थ सार्थ सार्थ हिन्स स्थान स्थान होता हुन से स्थान सार्थ कर स्थान सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार् त्या प्रभाव स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्य उंग्र भिर्भा पाठार म जारम प्राप्तम प्राप्तिम हो द्वारा रिक्ष प्राप्तिम हो स्वर्

प्राध्यमधर्प हमर जन्म प्राध्य

ा तिस्रजीटामाः स्वायमः कोटामाः में उद्योक्त सर्वेद मर्वेट २ व्यामा

...ह. बर्मा र्यं ४५ कि ४५ माज्य भाजभाव १५ माज्य १५ माजय १५ क्रम रमटमर मध्य स्वयस्त्र जावर जीवर

<u>णर्रत</u> एकर्राणा भिष्याचीमा विराधित भ्रतानमा जन्म र्रो) २१ जर्र महेन्

॥ उड्डिक से सुरुदर्श देन उपार हु है से अज्ञान कि साम विकास सम्बद्ध है ।

र्ह्भाष्ट्र प्रात्मिक्टि स्टाप्टिस हो इर इर्ट्स

ीणखणहरू॥ १५७१ स्था १५७६ मा भिट्टे भा

११ भिदर् ५५ भम्र ५४ प्राच्ये ४५ १५ १५

प्राचिक संस्था ति कर मात्र (ब्राज्य मात्र प्राच्या प्राच

प्रभाम प्रभाम

्राटिन स्थाप स्थाप सामित्र साथ होते हैं से स्थाप स्थाप होता है जिस्सा होता है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है स

ा अराट्ट राज्य मिस पार्ट स्था राज्य प्रमाण स्थाप स्थाप राज्य राज्य प्रमाण स्थाप विश्व विभाव पार्ट विभाव पार्ट व

#### "उटेंड्र मार्म प्राप्त हुए। जानस्त्र के जिनस्ता अंग्र सिल्या में प्राप्त निवास निवास निवास निवास निवास निवास म "उपाठमण तं इसण्या, एविष्य एक प्रभाभ के अभिष्य अभिष्य अभिष्य रस्तरं राष्ट्र के प्राप्त के प्रा जिल्ला जान के के जिल्ला जान के जिल्ला जान के जिल्ला जान के जिल्ला के जिल्ला के जान के ए। प्रायम्बर्धाः स्वाप्त स्वाप रदेजार्ग पर्वापत्र सर्वेन्स्य प्रकेष्य प्रकेष्ट मार्ट्या प्रमास, प्राची

ीजस्ट<u>र</u>ाष्ट्र न्वरण्य पापीलीमर्स्यात

००८०८०८४ विक्रम भारत हेन्य प्रमान के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध क шाटा प्राप्त होता हुन होता जाना विकास विकास है स्थान विकास है जिस्से हुन हमारा अपन्य होता है जिस्से हमारा अपन एंगिस्टार्गिया म्हानिक क्रिए मेहिट हैं मार्गिया मार्गुक प्रकार भारतिक प्रतिविधा मार्गुक मार्गुक प्रतिविधा मार्गुक मार्गुक प्रतिविधा मार्गुक मा जारीमा रहेरा एग्डमधानिकाल स्टन्टनिम भर्भक न्वेमद ग्रद्धक ग्र<u>म</u>क्षणांत्र जन्म भटन्ताज्ञ बार्टा मोह्मितिया प्रतिहेत प्रतिहेत स्वाति में स्वाति के स्वाति के स्वाति के स्वाति स ത്രൂയിന വുമ്പുകുന്ന നുലന് വുമ്പു നുവുക്കുന്നു പുത്തി വേണ്ട കുടിക്കുന്നു വുമുന്നു വു

मिकेंद्र हरू ज्ञानिराम अत्या ताम समहमन्त्र भारा अत्या प्राप्त कार्य हरा हरा है । ४ ह्य द्वाचित्र

मिन्नेय राज्य जारा जारंत्रस पाज्या जदांचा जार्य पार्य प्रसाम ಇದ್ದು ಗಾಗುಗಾಗಿ ಕ್ಷಾಣಕ್ಷಣ ಕ್ಷಣಕ್ಷಣ ಕ್ಷಣಕ್ಷಣ ी सम्राज्य भी उद्याधिक भी अप्राज्य भी अप्राज्य य अर्थ देशी भाषिभूतिम्स करिया भाषिभूतिम्स किरियम्बर्धिम

.... इत्रीठ द्रम

# इस जाम ७०६० मार जाम स

(७०० द्र्य १५) मध्या ४५८ मा १५५० १५५ मा १५५० मा १५५५ मा

प्रदूरिय से प्राप्त किखामा ती कर महा किस्प्रीय महाराम्य हर्ष कर महा सिंद में प्राप्त मिला सिंद मिला स ट॰४७ टॅंक्॰॥ रूभर भरस्रात भाषाकारमाभद ीण्यामभूग्रेट भिम्म पादर्स्य लिस्पर्धात, दर्व गृह्म्य र्विभ हुरिक्स सारीम पार्टि गुरुवर्न अन्दर्भ<u>मा</u> हो<u>भक्ष</u>णस्य सारीम सारीम प्र<u>भन्</u>वर्ग रेषा

गारमेंक, मडीकर, मार्चाकर, मार्चाकर,

रूपायाडभ्रद्धात पार्ट्य क्षि ७१४

## . अहम स्थाया माध्यापा माध्यापा

लिए वर्ष हे राष्ट्र के स्वा अध्यात भणकार । अध्या राष्ट्र राज्या

रिक्रिस्ट अस्ति अभी १००० कार्स अस्ति अभी १००० विकास रेषा हरा में बिस्सा एएएए<u>समा</u> प्राप्तिक स्थापिक रामिक रामिक र्धाराज्यम् प्रात्म ॥ भिरायार्थित भाषाराज्यारक्ष्मात रहामारुद्धात भ्रञ्जन अराजिस प्राप्ति के पार्ति सार्य अस्ति सार्य प्राप्ति सार्य प्राप्ति सार्य प्राप्ति सार्य सार्य प्राप्ति सार्य सार सार्य सार गांक निकार स्वापन स्वापन के स्वापन गारि हा हुन्हें हुन है जिस्सा है है है है जिस जिस है है है जिस जिस है है है जिस जिस है है है है जिस जिस है है है

## उत्यान्त्रेहिमान्य प्रहानुन्त्रिक्षा

इमहेन, टए ७% (प्रेंस पण्ड किनमज्यसामार अभाव अभाव रूपायाडरम्बर्गात पारिजान्य समित्र मित्र सिरा अराज अराज अराज अराज സ്വെല്പ് സ്വേഷ് ചാര്<u>ഷാ</u> ഒന്ന് വല്പ് വിയാതായ നട്ടായ് നട്ടായ് നട്ടായ് വേട്ട് വിവ്യായ് നട്ട് വിവ്യായ് **एषा अस्मार्ग का** 

र्द्यण १८ ॥ १८ मा हरू सार्वरभ्य ८०० म र्द्रण १८ विष्यभ्यक्ष मध्यमित

...ह्य दर्सेट द्रम

### መፈዙ መቅፍ ምንገረዙ የመፈጥ ውጭ መዝ <u>እና</u> ዜሚ ምንያል ከመመመመ መደመ

...स्थ दमर्घ द्रम

KT) क अध्या का प्राप्त के प्राप्त का अध्या यसीय भामक भारत हरनायां व्यवस्था रण्ये विप्रभूषणीयुष्ट हो ब्राम्प द्वार्वा ीणान्डरमधिय ई<u>०</u> प्रांतमहरूगार मरुभी प्रयोग । भुज्यार्थ प्राधिद गार्राक्षित ग्राप्टिया प्रमुख्या होता होता होता है जिल्हा है जिल् मिल २०,०४० मध्य अस्य १८,७४० अभ राधिया रेंट्र जुड़ शेरमर्थं द्वापिय मान्यान्य विष्यात्र विश्वास्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य स्था विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य स्था विश्य णरित्र ह<u>ें ऋ</u>षि हेन्नर से ा <u>भर</u>्यकर्ष्य ४५७७५

**Шमहीणारु** ७मः 🗅

अधिक माध्य अध्य

भागाराधाभर्द्ध भार

यह असमा देश्वर देशेण

EN (ඊටෙන් Œ°EN (ஹ॰Eो) වැට प्राच्या ३००३ स्मा ८००७ प्राच्या



णापीटार-१९टाभर्ता १पान्नारम गारा नामारम गारा नामाने प्राचीमा रामाने भारतिर्वाह । भारतिर्वाह स्वाप्त प्राप्त प्र उद्धानी सामातिक उत्तरित के स्वातिक सामित के सामित के सामित के सामित है से सामित है स

में प्रत्याप १९ म उट्ट मुख्याप प्राप्तम्य उपायम हेन्द्र मर उपायम है ॥ भिदर्श तर्जन्य सिम्म प्रस्ति ५०० न्यं प्रत्या सि क्टीर्निया विदर्भ ह्यू नीसायु ग्रह्म पोट्यिष्ठ अर्भम भारहमभद्भ क्रि. जात्र मामेल्या साम अधिकानक के अधिकान क्रि. जात्र मामेल्य

र्येंड जारी प्रजार्थ रूँटीप्रारिश्चा टेंस रूँड जारेश्वरमणीय प्रज प्राप्तम र्राध र्रेट दर्यपाधा रहपाध्य एक रूप पोटामरभार राष्ट्रे भिम रिधामा स्राप्त समरम र्माए ४५ पात्र १५० मिटा में पारिकार है । एके भिम पारक पार्यक्र हाप्याम एकें भिम पामधें रहणाप्यांक्ट न्स्य ४°१२'वरण्याभित्र राष्ट्राहरूम प्रोटाभ्रश्मा प्रिप्तभ्राभागिर्दे प्राचेप एस अपार स्पर्धानिक विज्ञान । विज्ञानिक स्पर्धानिक विज्ञानिक विज्ञा रणीगरभन्टेंड अराज्यक जहागर पारामरभगर राज्यत्वाद्धकर े शिर्ध राजन्यासून भारता है विशेष राजन

न्धारिक मार्सिक भराज्य विस्ता । विस्तार्घ राज्याराभन्न राज्या पामुक्त

## ट॰कर ऐक्रलः स॰ममे क्राफ्रभ्यत प्राप्त अर अर्घ प्रमुन्

र एक्स निर्मात एक्स भन्य भन्न अरही क्राप्तीयम प्रदर्श करति ीम जिल्लास स्थायक आरायहरूसम् जिल्लास्विक काराविक एक जिल्लाहरू मःमयस अन्यातः यस त्या विस्ता विस्ता विस्तान्त्र स्वापन रण्णे ण्यत्र राष्ट्रीरण्डत्त्वरं भवश्य प्रविदे ाला जरमन्म ℀ℋℿℴ⅀ℼℲℿ ॥ ऋत्रद्धाध्यः स्रार्याणा ୴୷ୡୗ୴୪ଅଅୀ୷ୟ ଝରିଲା मधीर ଝमधँद । ଆ୪ଅଅଠରଂ5 म<u>୍</u>ପଦ୍ୟ<u>ୁ ଏ</u>ଆ ॥ विराम्ध क्रियार्थ एगवर्ष्ट्र गिष्ठश्रीण म्थापित भ<u>ुष्ट</u>ण माप्तिम

दर्र लीक्टी रहता मध्य अध्याधिक सक्ति एसीय वेद्यार्थ कर्ने भागित हेते होता है। स्टीमणणड जुम म<u>ध्या</u>ल<u>मा</u> अल्पाधराञ्च ॥ जियार्वेद हे स्वार्यम विषय का हैता है जित्र के अपन भाषा भाष 'पो<u>श्</u>युटाीह हाहुग्र मध्य रिष्ठा अधा हाधारीछम रडन्य उ टिप्पर्व मा अल्लाटा ४, अल्लाटा का पारिक्राचा विष्या हिन्स । विष्यां मधा ग्रमस्य अधारा दे प्राप्त हिस्सा अस्ता प्रमाधा प्रमाधा अधारा अ भण्या एक प्रतीयोध किस या अरही असे प्रति हैं असे अरहें

### । बिर्दर पास्थल प्रराष्ट्रा ॥ जिन्ना हरण्यं रेंस्नहीर्थं ॥ ज्बदर्थ "യ്ട്രസ്പോപ്ടാപ്പെട്ട് വി दुस्य सञ्जाष्य स्रापटुन्त समर ESEL TOME

अध्यानिक स्वात है कर है कर से प्रमाण स्वात स

गाडामा द्यारीत अंडामित्र हामरम राभेंड पाटार्प भराज प्रधिय राजन भराज स्वापन || 3<u>日</u>4世間。|| 3日2日 || 3日2日 |

॥ रिपार्ट मर्झर रदर्ब्स कीणीधिष्य जापीलीमर्स्यात रिपार ब्रह्मीर्जिक ज्ञराहरका सम्म सन्त्र सन् अ<u>रिज</u>रिसर प्राथभवात हरन्त्रीम ीय मध्य दर्भ ,बिदर्बर भाभज्ञश्रातीह्रज्जद प्रोटाभ्यात्रम् दर्म भाषणञ्जर भराज मध्य दर्क णेटे स्टेस प्राप्त मार्ग भी महें ॥ भी महें भार महिं म ण गिजारायांद्र सडश्रदर्गार प्यष्टम, जटल्यांमांच्य हरुरायमीट्या भीमच हर हिस्स विष्णासी लिंदी स्टार्स

ोष्पा २२ भिगीराक्र ये पाठाप्य र पाठाप्य र क्रि. २२ महंसद र्ट्सभार हमस्य हर्ष्ट २२ प्रणा र्ह्मार प्रमार हम १९७७ र्यात नाम का अन्य के जिल्ला के होते जिल्ला के जान के ज प्पेष्टीम स्टार्वस भाष्यज्ञर भरुभ प्पेराभित्रहाराजन्यस्य प्रमार स॰क्रक क्रांगाह र प्राप्ता निर्माण , दापार्य मञ्जूर भिक्र मुम् टैंग्रेग्ण केंद्र केंद्र कुम भागिण भीमण केंद्र केंद्र एपार्थिक ગાજજીત भारिअभाग रिसम्म रिष्पापरिपार्धित रिरादर्श्व रिपारिक्षा रिप्रम रिभिष्ठ ट॰ माधान प्रभाव का प्रभाव रमणाटाम ॥ भिरुष व्यर्धिः छदर्न पाव्योक्षाचात्रात्र रिव्याः छभी ठ<u>र्त्त</u>क्ष स्था प्राप्त प्राप्त क्षात्र स्थान रिया सीधरभर छर्चर र्चस्य छम् विद्यालम्<u>य</u>ाताम् विद्याल्या प्रातीचम विद्याल

TENCOMPTILLING ज्रस्थीर्ज्य प्रोटाहरी व्हेट स्टा<u>लक्</u>यापार्थ्या स्टार्ज पाठक पाठक पाठक पाटार्क ॥ भिरारभ्रत्र माग्रा प्राध्यम प्राप्तमा हुई हुई न्हारापाभम ॥ भ<u>िष्</u>रभन्नदर्गात

टिया प्राचित्र समारिक्य प्रायस्य प्रमाण स्थाप का का प्रायम स्थाप अध्याप के स्थाप अध्याप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप प्योठेँर टार्क्यमाँ भारजेँड प्यटार्य माम अटाध्यानिष्ट जन्द्रमाड ोरसम्य भरत्यम् ॥ भिन्ने जर्हेष्ट रस्त्रं भारस्त्रं २२ भारत्यम् चे जरुत्याच्य पाठम भारग्रम भरतम हेलातील अजीमांच भारग्राम स्वापम ॥ दणीग्रञ्जन्य स्ट र्ग्यनामा १००० रद्धातमा भारणहरोद्धं भारभार मनीम र्राप्त मध्यम साम्युम रायुँड ॥ भिरुद्ध रिणाँच लाग्नेव्य<u>मा</u>रा र लाहाजन संस्था जल्लाच्या माध्याच्या स्थापन स्थापन

...ह्य दसेड द्रम

२९२,४९९३ १०१२४ अप्रमुप भन्ना भन्ना १८१२९३३ ,१४४०५३३ १८५४७५३४ च्या जन्ना अर्जे १८२५३३२ १९३५ । अर्जे एक प्रम